तिब्बती शरणार्थी

80. शंकर दयाल सिंह : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में इस समय कुल कितने तिब्बती शरणार्थी हैं ;

(ख) क्या उनमें से कुछ शरणार्थी तिब्बत वापस चले गये हैं ; और

(ग) उनके पुनर्वास के लिए अब तक क्या उपाय किये गये हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कान्त सहाय) : (क) देश में लगभग 80,000 तिब्बती शरणार्थी हैं ।

(ख) 1983 से कुल 111 तिब्बती शरणार्थी भारत से तिब्बत वापस गए ।

(ग) तिब्बती शरणार्थियों को आवास सहायता उपलब्ध कराई गई है और उन्हें जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम; अरुणाचल प्रदेश, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक राज्यों में कृषि तथा हस्तशिल्प उन्मुख योजनाओं में बसाया गया है ।

प्रकाशन विभाग की पुस्तकों तथा पत्रिकाओं का लोगों को उपलब्ध कराया जाना

81. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत सरकार के प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तकों तथा पत्रिकाओं को आम पाठकों को उपलब्ध कराने की दिशा में अब तक क्या कदम उठाए गये हैं ; और

(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान प्रकाशन विभाग के प्रकाशनों की कुल कितनी बिक्री हुई ?

सूचना और प्रसारण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री पी० उपेन्द्र) : (क) एक विवरण संलग्न है जिसमें ब्यौरा दिया गया है । (नीचे देखिए)

(ख) विगत 3 वर्षों में प्रकाशन विभाग की सकल बिक्री का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

वर्ष	कुल बिक्री (लाख रु० में)
1987–88 . .	216.55
1988–89 . .	261.68
1989–90 . .	309.72

विवरण

प्रकाशन विभाग की पुस्तकों की बिक्री और वितरण के लिए नई दिल्ली, बम्बई; कलकत्ता, मद्रास, पटना, तिवेन्द्रम; लखनऊ और हैदराबाद में बिक्री केन्द्र हैं । पाठकों को पुस्तकें पुस्तक विक्रेताओं के जरिए भी उपलब्ध कराई जाती हैं । प्रकाशन विभाग द्वारा अपनी पुस्तकें; अन्य क्रेयताओं; पुस्तकालयों, शिक्षा संस्थाओं; कालेजों, आदि को सीधे ही सप्लाई की जाती हैं । नई दिल्ली में इस विभाग के दो और बिक्री काउन्टर हैं जिसमें एक पटियाला हाऊस में और दूसरा पुराना सचिवालय में है ।

प्रकाशन विभाग द्वारा "अपना पुस्तक बाजार" नामक अपनी चलती-फिरती गाड़ी से भी पुस्तकें बेची जाती है ।

यह विभाग भारत और विदेशों में महत्वपूर्ण पुस्तक प्रदर्शनियों तथा मेलों में भाग लेकर अपनी पुस्तकों का प्रचार भी करता है । राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार-पत्रों में नए प्रकाशनों सहित विभाग के